'हार्डवर्क करने से ही सफलता मिलती है'

काम चाहे जो भी हों हम अगर कड़ी मेहनत और दिलचस्पी के साथ करेंगे तो हमें सफल होने से कोई नहीं रोक सकता है। किसी भी काम को करने के लिए हमें समय की प्रतिक्षा नहीं करनी चाहिए, अगर हमें पता है कि हमें क्या करना है तो उसकी शुरुआत तुरंत करनी चाहिए। समय बहुत मूल्यवान है उसकी कीमत हमें समझना चाहिए। यह मानना है द न्यूटाउन स्कूल की प्रिंसिपल शताब्दी गोस्वामी भट्टाचार्य का। सन्मार्ग की अंकुर की टीम ने गुरुमंत्र स्तंभ के तहत द न्यू टाउन स्कूल की प्रिंसिपल शताब्दी गोस्वामी भट्टाचार्य से बात की, पेश हैं उनसे हुई बातचीत के मुख्य अंश-

■ आप इस स्कूल से कब से जुड़ी हुई हैं ?

इस स्कूल की शुरुआत 2015 से हुई है। मैं तभी से यहां बतौर प्रिंसिपल कार्यरत हूं।

■ शिक्षा के स्तर पर आपने क्या बदलाव देखे हैं ?

शिक्षा के स्तर पर काफी बदलाव आए हैं । पहले बच्चों को जो पढ़ाते थे वह थोड़े समय के लिए याद रखते थे पर अब बच्चे जो भी पढ़ते हैं वह लांग लाइफ याद रखते हैं। पहले हम बच्चों को सिर्फ पढ़ाते थे पर अब हम बच्चों को पढ़ाने के साथ-साथ दिखाते भी हैं जो बच्चों के मस्तिष्क में बैठ जाता है।

■ बच्चों में अनुशासन बनाए रखने के लिए क्या किया जाता है?

बच्चों के साथ हमें हमेशा प्यार से पेश आना चाहिए। हमें उन्हें कोई भी काम करने से रोकना नहीं चाहिए बल्कि उन्हें प्यार से अच्छे -बुरे का फर्क समझाना चाहिए। बच्चों को हमेशा प्रोत्साहित करना चाहिए, अगर हम ऐसा नहीं करते हैं तो उनका मनोबल कम हो जाता है और वो कुछ गलत कर बैठते हैं। बच्चों को हमेशा यह एहसास कराना चाहिए कि वह एक समझदार व्यक्ति हैं।

■ आजकल छात्रों में आउटडोर गेम के प्रति लगाव कम होता जा रहा है। इस पर आप क्या कहेंगी?

बच्चों को हम जैसी आदत डालेंगे वैसा ही करेंगे अर्थात हमें बच्चों को छोटे से ही बाहर जाकर खेलने की आदत डालनी चाहिएऔर अगर मोबाइल या लैप टॉप से भी बच्चे खेल रहे हैं तो उन्हें अच्छी चीजें खेलना सिखाना चाहिए।

■ स्कूल में एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी में क्या-क्या होता ?

हमारे स्कूल में एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटी के 10 क्लब हैं। इन क्लबों के ट्रेनर भी काफी उम्दा हैं। हम स्कूल में बच्चों को हर चीज में प्रोत्साहित करते हैं चाहे वह पढ़ाई हो या फिर खेल -कूद।

■ गुरुमंत्र क्या देंगी ?

बच्चों को अपने जीवन में हर चीज का महत्व समझना चहिए। समय नष्ट नहीं करना चाहिए। किसी भी काम को कड़ी मेहनत और दिलचस्पी से करना चाहिए। ऐसा करने पर आपको सफलता अवश्य मिलेगी। साथ ही हमेशा इस बात पर फोकस करें कि आप स्वयं क्या करना चाहते हैं एवं उसी राह पर चलें। ■